सांध्य दैनिक 4PM

जो व्यवसाय कुछ और नहीं बस पैसे बनाना जानता है एक तुच्छ व्यवसाय है।
-हेनरी फोर्ड

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 04 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 4 फरवरी, 2022

2022 नहीं, 24 की भी लड़ाई... 8 | भाजपा के बड़े नेताओं के बेटे... 3 | सड़क हादसों में तीन की मौत... 7

नफरत की राजनीति कर रही भाजपा का सफाया करेगी जनता : अखिलेश

» हक मांगने गए नौजवानों और किसानों को किया गया अपमानित

» बढ़ रही है बेरोजगारी और महंगाई, भाजपा को विकास से है दुश्मनी

» मुख्यमंत्री कर रहे हैं अमर्यादित भाषा का प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज ताजनगरी आगरा में भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता नफरत की राजनीति करने वाली भाजपा का सफाया करेगी। ये चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। हमारा गठबंधन बहुरंगी है। एकरंगी लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं। किसान की आय आज तक दोगुनी नहीं हो सकी। सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई बढ़ी। हर चीज के दाम बढ़ गये हैं। सरकार पूंजीपतियों के साथ खड़ी है। वे कहते हैं कि अमृत बजट है तो क्या इसके पहले के वजट जहर वाले थे।

उन्होंने कहा कि बाबा मुख्यमंत्री सदन तक में अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। अब वे कह रहे हैं कि गर्मी निकाल देंगे। क्या सीएम कंप्रेशर है कि गर्मी निकाल देंगे। वे उन नौजवानों की गर्मी कैसे निकालेंगे जो रोजगार मांग रहे हैं। इस बार गोरखपुर की जनता उनको वापस भेजेगी। नौजवान जब भी अपने हक और नौकरी की बात करने के लिए गया है उसको सरकार ने अपमानित किया है। इस बार एक-एक नौजवान भाजपा को अपने बूथ पर हराकर ऐतिहासिक हार दिलाने जा रहा है। कोरोना काल में सरकार ने किसी की मदद नहीं की। तमाम लोगों की मौत हो गयी। कोरोना काल में सपा ने मजदूरों और गरीबों की मदद की। डबल इंजन की सरकार ने कोई काम नहीं किया। आगरा में किए गए सभी काम सपा ने किये थे। भाजपा को विकास से दुश्मनी है। उन्होंने कहा कि आगरा और आस-पास के लोगों से अपील है कि इस बार वे गठबंधन की मदद करें। इनके प्रत्याशियों को विजयी बनाएं। आगरा न केवल यूपी के लिए बल्कि देश के लिए अहम है। आगरा ने दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ायी है। ये भाईचारे का शहर है। यहां का कारोबार जोड़ता है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

किसान और नौजवान बदलाव का बना चुके हैं मन : जयंत

आगरा। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि प्रदेश के नौजवान और किसानों ने अपना मन बना लिया है। वे सकारात्मक परिवर्तन करना चाहते हैं। भाजपा सरकार ने उनके साथ छल-कपट किया। झूठी तस्वीर दिखायी। छात्रों के साथ मारपीट की गयी। उन्नाव, हाथरस और बुलंदशहर जैसी घटनाएं साबित करती हैं कि कानून व्यवस्था के भाजपा के दावे खोखले हैं। गठबंधन के पीछे सामाजिक समीकरण है। हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। गर्मी निकाल देने जैसी भाषा के इस्तेमाल से यूपी का विकास नहीं हो सकता।

गोरखपुर से सीएम योगी ने किया नामांकन, कहा मिलेगा प्रचंड बहुमत

» पिछले पांच सालों में जन अपेक्षाओं पर खरी उतरी है यूपी सरकार

» केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर शहर विधान सभा सीट से बतौर प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह उनके साथ मौजूद रहे। नामांकन से पूर्व सीएम योगी ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमने हर चुनौती को पांच साल के अंदर प्रदेश से समाप्त कर दिया क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह का मार्गदर्शन मिलता रहा। भाजपा को एक बार फिर उत्तर प्रदेश से प्रचंड बहुमत मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि पांच साल पहले बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं। पलायन होता था। दंगे होते थे। असुरक्षा का वातावरण था, लेकिन भाजपा के पांच वर्ष के शासन के दौरान सुरक्षा दी। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश में 300 के पार फिर से पहुंचेगी।

प्रदेश में डबल इंजन की सरकार फेल : पायलट

» राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में किया प्रचार

» दस फरवरी को गौतमबुद्ध नगर की तीनों सीटों पर होने हैं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए सियासी दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस भी खूब पसीना बहा रही है। इस कड़ी में आज नोएडा पहुंचे राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा में बौखलाहट है। पांच राज्यों में चुनाव है, जिनमें से 4 में कांग्रेस की सरकार बनना तय है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सत्ता से बाहर होगी। डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से फेल है और भाजपा का इंजन सीज हो चुका है।

सचिन पायलट और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र व हरियाणा से सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने जेवर विधान सभा में कांग्रेस प्रत्याशी मनोज चौधरी के लिए कासना, बिलासपुर, भट्टा पारसौल, चौरोली आदि गांवों में जनसंपर्क कर वोट मांगे। इस मौके पर पूर्व विधायक ललित नागर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा मौजूद रहे। दीपेंद्र ने कहा कि राहुल गांधी ने भट्टा पारसौल में किसानों की लड़ाई लड़ी। गौरतलब है कि गौतमबुद्धनगर जिले की तीनों सीटों (नोएडा, दादरी और जेवर) पर आगामी 10 फरवरी को चुनाव होना है।

अंबेडकरवादी हमारे साथ आएं : अखिलेश

बिना नाम लिए मायावती को साथ आने का दिया न्यौता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है वैस-वैसे सभी पार्टियां अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रही हैं। इसी बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए बसपा सुप्रीमो मायावती को साथ आने का न्योता दिया। अखिलेश ने अपील की कि अंबेडकरवादी भी समाजवादियों के साथ आएं और उनकी लड़ाई को मजबूत करें। बुलंदशहर में अखिलेश ने कहा संविधान बचाना है, लोकतंत्र बचाना है तो समाजवादियों के साथ अंबेडकरवादी भी आएं।

उन्होंने कहा अगर लोकतंत्र और संविधान नहीं बचेगा तो सोचों हमारे अधिकारों का क्या होगा। उन्होंने कहा कि मैं फिर अपील करता हूं कि हम सब बहुरंगी लोग हैं। लाल रंग हमारे साथ है। हरा, सफेद, नीला। हम चाहते हैं कि इस लड़ाई में जनता विपक्ष को मजबूत करें। मुजफ्फरनगर और कैराना में गर्मी दिखा रहे लोगों की 10 मार्च के बाद गर्मी शांत करने और मई जून में शिमला बना देने की मुख्यमंत्री योगी की बात पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ने उन्हें गोरखपुर भेज दिया इस वजह से उनमें गर्मी आ रही है। अखिलेश ने आगे कहा जहां तक गर्मी की बात है, जिस दिन गर्मी खत्म हो जाएगी, उस दिन हम लोग मर जाएंगे। जितने भी हम लोग बैठे हैं, अगर गर्म खून हमारे अंदर ना बहे तो हम जिंदा क्या रहेंगे। उन्होंने कहा कि ये जो मुख्यमंत्री के अंदर गर्मी आ रही है वह इसलिए क्योंकि ये टिकट जगह-जगह से मांग रहे थे, मनपसंद टिकट नहीं मिला, उन्हें घर भेज दिया। प्रधानमंत्री ने उन्हें पैदल-पैदल चलाया। जो पैदल चल रहे हैं और बेदल हैं, कभी उनसे पूछिएगा कि उनका दल कौन सा है, क्या वह बीजेपी के सदस्य हैं। बीजेपी ने तय किया है कि आने वाले समय में इन्हें कुछ मिलने वाला नहीं है इसलिए उनकी भाषा बदल गई है।

हाई प्रोफाइल करहल सीट से अखिलेश प्रबल दावेदार

ब्रज में विधायक बनने के लिए चारों जिलों में प्रत्याशियों की भरमार है, लेकिन मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर केवल तीन ही प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। पूरे प्रदेश की नजरें करहल विधानसभा सीट पर टिकी हैं। यहां से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल चुनाव लड़ रहे हैं। प्रत्याशियों की संख्या कम होने से यहां मुकाबला सीधा और दिलचस्प हो गया है। तीसरे प्रत्याशी के रूप में बसपा के कुलदीप नरायन मैदान में हैं। ऐसे में इस सीट पर पूरे प्रदेश की निगाहें टिकी हुईं। प्रत्याशियों की संख्या कम होने और सियासी धुरंधरों के करहल से चुनाव लड़ने के चलते यहां मुकाबला दिलचस्प हो गया है। करहल सीट से कांग्रेस ने जहां अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है तो वहीं निर्दलीय व अन्य दलों के आठ नामांकन पत्र जांच में निरस्त हो गए हैं।

आम आदमी पार्टी ने आठवीं सूची जारी की घोषित किए 19 उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए 19 और प्रत्याशियों की आठवीं लिस्ट जारी कर दी। राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने प्रत्याशियों की सूची जारी की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और केन्द्रीय नेतृत्व के निर्णय के बाद इन प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा गया है। 19 प्रत्याशियों में 05 ग्रेज्युएट, 03 पोस्ट ग्रेज्युएट, 02 एलएलबी, 01 डॉक्टर, 08 प्रत्याशी है। उन्होंने बताया कि जारी की गई आठवीं लिस्ट में गोरखपुर, देवरिया, प्रयागराज समेत लखनऊ के बीकेटी से भी प्रत्याशी की घोषणा कर दी गई है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनवों में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने बताया कि इन 19 प्रत्याशियों की घोषणा के बाद आम आदमी पार्टी कुल 343 प्रत्याशी अभी तक घोषित कर चुकी है। जारी की गई लिस्ट में बलरामपुर से उदय चंद पासवान, बलरामपुर की तुलसीपुर सीट से हिदयातुल्ला शाह, बस्ती की रुदौली से पुष्कर आदित्य सिंह, चंदौली के चकिया से रवि शंकर पहलवान, देवरिया के रामपुर कारखाना से कौशल किशोर मणी, देवरिया के रुद्रपुर से राजेश प्रसाद निषाद, गोरखपुर के कैंपियरगंज से कौशल कुमार सिंह, गोरखपुर के चिल्लूपार से सूरज कुमार, कुशीनगर के फाजिलनगर से हरीशचंद्र यादव, कुशीनगर के रामकोला से शंभु कुमार कश्यप, लखनऊ के बक्शी का तालाब से डॉ एसपी पाण्डेय, मिर्जापुर से चुनार से सत्येन्द्र सिंह, प्रतापगढ़ के बाबागंज से राकेश पासी, प्रतापगढ़ के पट्टी से अजय यादव, प्रयागराज के फाफामऊ से संजय प्रकाश शुक्ला, प्रयागराज के प्रतापपुर से हरीश चंद्र मिश्र, प्रयागराज के सारौन से लल्लन पासी, सीतापुर के हरगांव से संदीप कुमार, उन्नाव के भंगवंत नगर से नवीन कुमार शर्मा को टिकट दिया गया है।

कांग्रेस, सपा और भाजपा युवाओं को रोजगार देने में फेल : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं, पिछली सरकार में रहा गुंडों का राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजियाबाद के कविनगर रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा, सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा को कटघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में विकास की जगह केवर घोषणाएं और शिलान्यास हुए। सपा के राज में गुंडों और माफियाओं का राज रहा। यूपी में दोनों के शासनकाल में जनता दुखी रही।

सपा राज में दंगों का जिक्र करते हुए बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सपा सरकार में दंगों और अपराध के बोलबाला होने से जनता त्रस्त थी। सपा सत्ता के सत्ता में होने पर दलित व पिछड़ों के साथ सौतेला व्यवहार होने के साथ संतों और महापुरुषों का अपमान हुआ। मायावती ने कहा कोर्ट

के निर्णय की आड़ में अनुसूचित वर्ग के अधिकारियों का शोषण, शुल्क प्रतिपूत्ति रोकने, कांशीराम विश्वविद्यालय का नाम, भूमि खरीद का नियम के साथ लखनऊ में भीमराव अम्बेडकर पार्क का नाम बदल दिया गया। अखिलेश यादव की सरकार में कमजोर वर्ग की जमीन को हथियाने का काम किया गया। सपा की नीतियां दलित विरोधी रही हैं। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा सरकार के विकास के दावे दिखावा हैं। भाजपा केवल धर्म के नाम पर नफरत फैला रही है। भाजपा राज में बढ़ रहे अपराध के आंकड़ों को छिपाया जाता है। भाजपा शासन में दलित और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। मीडिया आंकड़ों को दिखाने की जगह दबाने का काम करती है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यूपी विधानसभा में बसपा अकेले चुनावी मैदान में है। 2007 की तरह प्रदेश में फिर से बहुजन समाज पार्टी की बहुमत की सरकार होगी। उनके शासन में फिर से अच्छे दिन आंएगे। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और केंद्र में उसकी सरकार की गलत नीतियों के कारण बसपा प्रदेश की सत्ता से बाहर हुई। कांग्रेस पार्टी शुरू से दलित विरोधी रही है। कांग्रेस ने बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया।

बसपा के शासन में था भ्रष्टाचार का बोलबाला : अरूण सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मथुरा में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने कहा कि यह पहला चुनाव है, जिसमें प्रदेश सरकार और उसके मुख्यमंत्री पर एक रुपए का आरोप नहीं है। सपा और बसपा सरकारों में गुंडे और माफिया का बोलबाला था। कृष्णापुरी तिराहे स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि जिस तरह से सपा सरकार में दंगे और माफिया का बोलबाला था और गुंडागर्दी चरम पर थी।

बसपा की मायावती सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा। सांसद ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार ने यूपी को देश के अन्य प्रांतों के विकास में अगली पंक्ति में लाकर खड़ा किया है। उनके राज में न तो यहां दंगे ही हुए और न ही भ्रष्टाचार का मामला अब तक के

कार्यकाल में कोई भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि सपा शासन में जहां कोसी में दंगा हुआ और एक वर्ग विशेष के लोगों को आजम खां के प्रभाव में राहत सामग्री पहुंचाई गई, वहीं बहुसंख्यकों की मदद करने वालों के खिलाफ अपराध पंजीकृत हुए। रामवृक्ष यादव ने कहा जवाहर बाग को रणभूमि बना दिया, जिसमें एक थाना प्रभारी की हत्या हुई। आज योगी सरकार ने इसे पार्क के रूप में विकसित किया है।

गुंडों की पार्टी सत्ता में आई तो उद्योग व्यापार हो जाएंगे बंद : नड्डा

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की वकालत की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सपा को गुंडों की पार्टी बताते हुए तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि सपा के गुंडाराज को लोग अभी भूले नहीं हैं। सत्ता में सपा की वापसी होने पर भय की वजह से प्रदेश में कल-कारखाने और व्यापार बंद हो जाएंगे। फिर अपहरण, हत्या, लूट, डकैती जैसे आपराधिक घटनाओं का रिकॉर्ड बनने लगेगा। उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की उन्होंने वकालत की और भाजपा को विचारों और संस्कारों की पार्टी बताया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के नामांकन के बाद मंझनपुर में आयोजित विजय संकल्प सभा में भाजपा अध्यक्ष ने विपक्षी दलों

पर निशाना साधा। कहा कि सपा और गुंडे एक-दूसरे के पर्याय हैं। ये देशद्रोहियों का समर्थन करते हैं। सपा सरकार आई तो प्रदेश में गुंडाराज कायम हो जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि गोरखपुर सीरियल बम धमाका और रामपुर में सीआरपीएफ कैंप हमले के आरोपियों पर दर्ज मुकदमे अखिलेश सरकार ने वापस ले लिए थे। बाद में कोर्ट ने सभी को दोषी करार दिया। इनमें से कुछ को फांसी तो कुछ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। नड्डा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने बताया कि कश्मीर में धारा-370 हटाने के साथ ही तीन तलाक पर कानून बनाकर मुस्लिम महिलाओं को अत्याचार से मुक्ति दिलाई गई। इतना ही नहीं, अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण आरंभ कराने के साथ ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण कराया गया है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि आप लोगों ने वर्ष 2014 में केंद्र में मोदी की सरकार बनाई, 2017 में प्रदेश में योगी सरकार बनाई। केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन वाली सरकार ने प्रदेश की दिशा और दशा को बदलकर इसे विकास की राह पर ला दिया है। मोदी-योगी के राज में हर गरीब के घर में बिजली,पानी, शौचालय का निर्माण कराया गया।

भाजपा के बड़े नेताओं के बेटे-बेटियों का विधायक बनने का सपना टूटा

2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने नहीं दिए भाव

टिकट मांगने वाले नेताओं को लगा झटका

कार्यकर्ताओं और नए चेहरों पर जताया भरोसा

पदाधिकारी बोले, बीजेपी परिवारवाद को नहीं देती है बढ़ावा

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा के उन तमाम दिग्गज नेताओं के अरमानों पर पानी फिर गया है, जिन्होंने अपनी सियासी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपने पुत्र-पुत्रियों को सियासी रण में उतारने का सपना संजो रखा था। केंद्र और राज्य के मंत्री सहित भाजपा के कई नेता इस फेहरिश्त में शामिल थे। इसके बावजूद भाजपा नेतृत्व ने बड़े नेताओं के बेटा-बेटी या रिश्तेदार के बजाय संगठन से जुड़े लोगों, कार्यकर्ताओं और नए चेहरों पर भरोसा जताया है।

ऐसे में अपने परिवार के लिए टिकट मांगने वाले नेताओं को झटका लगा है। हालांकि मुकुट बिहारी के बेटे को छोड़कर जिन भाजपा नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट मिला है, वे पहले से विधायक रहे हैं या चुनाव लड़ चुके हैं। गौरतलब है कि 2017 की अपेक्षा इस बार भाजपा ने मंत्रियों, विधायकों व संगठनों के पदाधिकारियों के बेटे को टिकट कम दिए हैं। हालांकि बिना टिकट भी दिग्गज नेताओं के बेटे भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि भाजपा परिवारवाद को कम बढ़ावा देती है। सपा, कांग्रेस व बसपा में ऐसा होता है मगर भाजपा में जो मेहनत करता है, टिकट उसे ही मिलता है। मेहनत पिता करें और टिकट बेटे को मिले, ऐसा भाजपा में तो कतई नहीं है। मेहनत व संगठन में सक्रिय रहने वालों को भाजपा जरूर मौका देती है।

इन नेताओं के बेटे लड़ रहे चुनाव

योगी सरकार में सहकारिता मंत्री और ओबीसी चेहरा माने जाने वाले मुकुट बिहारी वर्मा के बेटे गौरव वर्मा को कैसरगंज सीट से टिकट दिया है। कैसरगंज सीट कुर्मी बहुल मानी जाती है, पर यहां यादव और मुस्लिम वोट भी काफी निर्णायक भूमिका में है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ से सांसद हैं और उनके बड़े बेटे पंकज सिंह नोएडा से विधायक हैं और गोंडा सांसद बृजभूषण सिंह के बेटे को टिकट दिया है। कैराना से हुकुम सिंह के बेटी मृगांका सिंह को प्रत्याशी बनाया है। मुकुट बिहारी को छोड़कर बाकी भाजपा नेताओं के बेटे-बेटियां विधायक रहे हैं या फिर उससे पहले चुनाव लड़ चुके हैं।

सुरेश श्रीवास्तव के बेटे को भी टिकट नहीं

लखनऊ पश्चिम विधान सभा सीट से कोरोना से अपनी जान गंवाने वाले विधायक सुरेश श्रीवास्तव के बेटे सौरभ श्रीवास्तव को भी टिकट नहीं मिला है जबकि वे लगातार क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय थे। लखनऊ पश्चिम में उनकी अच्छी पैठ थी। इन सबके बावजूद उच्च नेतृत्व ने उनको टिकट नहीं दिया। लखनऊ पश्चिम सीट से इस बार अंजनी श्रीवास्तव भाजपा के प्रत्याशी हैं।

राजेश अग्रवाल भी रहे खाली हाथ

आगरा से सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल की पत्नी के लिए टूंडला सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में थे। भाजपा ने एसपी बघेल की पत्नी को टिकट तो नहीं दिया बल्कि उन्हें जरूर करहल सीट पर अखिलेश यादव के सामने प्रत्याशी बना दिया है। राजेश अग्रवाल बरेली कैंट सीट से अपने बेटे आशीष अग्रवाल को चुनाव लड़ाना चाहते हैं, लेकिन बीजेपी ने संजीव अग्रवाल को प्रत्याशी बना दिया है। संजीव अग्रवाल संघ से जुड़े रहे हैं।

शाही व जयप्रकाश फिर बने प्रत्याशी

योगी सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही अपनी पथरदेवा सीट से उनके बेटे सुब्रत शाही चुनाव लड़ने की तैयारी में थे पर पार्टी ने उनके बेटे के बजाय उन्हें प्रत्याशी बनाया है। ऐसे ही रुद्रपुर विधान सभा सीट से भाजपा विधायक और मंत्री जयप्रकाश निषाद भी अपने बेटे को चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रहे हैं लेकिन पार्टी ने उनके बजाय उन्हें प्रत्याशी बनाया है।

कलराज मिश्रा के बेटे को टिकट नहीं

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा के बेटे अमित मिश्रा देवरिया सीट से चुनाव लड़ने की दावेदारी कर रखी थी। देवरिया सीट ब्राह्मण बहुल मानी जाती है। कलराज मिश्रा देवरिया सीट से सांसद रहे हैं और अब उनके बेटे अपने पिता की सियासी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए चुनावी पिच पर उतरना चाहते थे लेकिन भाजपा ने शलभमणि त्रिपाणी को प्रत्याशी बनाया है। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान के बेटे रामविलास चौहान अपने पिता की सियासी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मधुबन विधान सभा सीट से टिकट मांग रहे हैं। हालांकि इसी सीट पर बीजेपी नेता रामजी सिंह के पुत्र अरिजीत सिंह ने भी टिकट की दावेदारी कर रखी है। भाजपा ने इस सीट पर अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किया।

रीता के बेटे को नहीं मिला टिकट

प्रयागराज से सांसद रीता बहुगुणा जोशी लखनऊ कैंट सीट से अपने बेटे मयंक जोशी के लिए भाजपा से टिकट मांग रही थी लेकिन पार्टी ने बृजेश पाठक को प्रत्याशी बनाया है। रीता बहुगुणा जोशी इस सीट से दो बार विधायक रह चुकी हैं और अब वो इस सीट से अपने बेटे को विधायक बनाना चाहती थी लेकिन पार्टी नेतृत्व ने उनके बेटे के बजाय बृजेश पाठक को टिकट दिया है।

हृदय नारायण भी पार्टी से नाराज

उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित बेटे दिलीप दीक्षित उन्नाव की पुरवा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे थे लेकिन भाजपा ने अनिल सिंह को प्रत्याशी बनाया है। उन्नाव की भगवंतनगर सीट पर हृदय नारायण दीक्षित को भी प्रत्याशी नहीं बनाया है बल्कि आशुतोष शुक्ला को टिकट दिया गया है। हालांकि इस सीट पर दिलीप दीक्षित दावेदारी प्रबल मानी जा रही थी।

पचौरी भी नहीं दिला सके बेटे को टिकट

कानपुर से भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी अपने बेटे अनूप पचौरी के लिए कानपुर की गोविंदनगर सीट से टिकट की मांग कर रहे हैं, लेकिन पार्टी ने सुरेंद्र मैथानी को उतारा है। ब्राह्मण बहुल इस सीट पर सत्यदेव दो बार विधायक रहे हैं लेकिन 2019 में उनके सांसद बनने के बाद सुरेंद्र मैथानी विधायक बने हैं और दोबारा बनाया है।

कौशल किशोर की पत्नी को टिकट

लखनऊ की मोहनलालगंज सीट से सांसद व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर अपनी पत्नी जया देवी को मलिहाबाद सीट से बीजेपी का दूसरी बार टिकट दिलाने में कामयाब रहे हैं,लेकिन अपने बेटे विकास किशोर और प्रभात किशोर में से किसी एक को भी प्रत्याशी नहीं बनवा सके। प्रभात किशोर सीतापुर की सिधौली सीट से टिकट मांग रहे थे लेकिन पार्टी ने मनीष रावत को प्रत्याशी बनाया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विश्व बाजार, किसान और मोटे अनाज

भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को मोटे अनाज का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। हालांकि केंद्र सरकार मोटे अनाज के उत्पादन में वृद्धि के लिए कई सालों से कोशिश कर रही है लेकिन वैश्विक समुदाय से मिलने वाली सहमति ने इसके विस्तार को और प्रोत्साहित करने का काम किया है। यही वजह है कि देश में मोटे अनाज के उत्पादन में वृद्धि हो रही है। सवाल यह है कि मोटे अनाज के उत्पादन में वृद्धि को प्रोत्साहित करने की असली वजहें क्या हैं? क्या विश्व में खान-पान में आए परिवर्तन से मोटे अनाज उत्पादक किसानों को फायदा मिलेगा? क्या इसके जरिए जमीन को रासायनिक खादों और केमिकल से बचाया जा सकेगा? क्या ये फसलें प्राकृतिक संरक्षण का काम कर सकेंगी? क्या यह पहल लोगों को खाद्य सुरक्षा और किसानों का कल्याण कर सकेगी? क्या यह स्टार्ट अप समूहों के लिए नए रास्ते खोल सकेगी? क्या वैश्विक बाजार में पैठ बनाए बिना इसका लाभ किसानों को मिल पाएगा?

देश में सदियों से मोटे अनाज का उत्पादन किसान करते रहे हैं। इसमें ज्वार-बाजारा, जौ जैसी फसलें शामिल हैं लेकिन हरित क्रांति के बाद इसका उत्पादन सीमित हो गया। सिंचाई के साधनों के विकास और एमएसपी के कारण किसानों ने गेहूं और धान की खेती पर जोर दिया। इससे देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया। वहीं नकारात्मक असर भी दिखे। उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयोग किए गए कीटनाशकों और रासायनिक खादों ने जमीन और पारिस्थितिकी तंत्र पर असर डाला। जहां धान की खेती के अनुकूल मौसम नहीं था वहां भी इसकी खेती शुरू हुई। अब जब वैश्विक समुदाय खान-पान को लेकर जागरूक हो रहा है तो मोटे अनाज की मांग बढ़ी है। इन्हें स्मार्ट फूड के तौर पर देखा जा रहा है। इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने की पहल की है। इसकी खेती कम लागत, अधिक तापमान और बिना रासायनिक खाद के हो सकती है। फसलों को पानी की जरूरत भी कम होती है। यही वजह है कि इसका उत्पादन 164 लाख टन से बढ़कर 174 लाख टन हो गया है। अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित होने से भारतीय किसानों के लिए वैश्विक बाजार में नए अवसर उत्पन्न हो गए हैं। पौष्टिक होने के कारण ये देश की कुपोषण की समस्या का निदान भी कर सकते हैं। इनमें कैल्शियम, जिंक और आयरन प्रचुर मात्रा में होते हैं। वहीं ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौजूदा फसलों पर जो संकट मंडरा रहा है वह भी कम हो जाएगा लेकिन किसानों को वैश्विक बाजार का फायदा तभी मिल सकेगा जब सरकार इसके विपणन, भंडारण और आपूर्ति को सुनिश्चित करेगी।

“ अब जब वैश्विक समुदाय खान-पान को लेकर जागरूक हो रहा है तो मोटे अनाज की मांग बढ़ी है। इन्हें स्मार्ट फूड के तौर पर देखा जा रहा है। इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने की पहल की है। इसकी खेती कम लागत, अधिक तापमान और बिना रासायनिक खाद के हो सकती है। फसलों को पानी की जरूरत भी कम होती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनता के 'बजट' से जनता की ही जासूसी

श्रवण गर्ग

प्रसिद्ध अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के इस सनसनीखेज खुलासे पर प्रधानमंत्री, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों और सत्तारूढ़ दल के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं ने चुप्पी साध रखी है कि अपने ही देश के नागरिकों की जासूसी के उद्देश्य से सैकड़ों करोड़ की लागत वाले उच्च-तकनीक के पेगासस उपकरण सरकार ने इजराइल की एक कम्पनी से खरीदे थे। अखबार की खबर के मुताबिक, दो अरब डॉलर मूल्य के आधुनिक हथियारों की खरीद के साथ ही नागरिकों के निजी मोबाइल फ़ोन में उच्च तकनीकी के जरिए प्रवेश करके उनके क्रिया-कलापों की जासूसी करने में सक्षम उपकरणों को भी हासिल करने का सौदा प्रधानमंत्री की जुलाई 2017 में हुई इज़राइल यात्रा के दौरान किया गया था। किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की वह पहली इज़राइल यात्रा थी।

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में होने जा रहे महत्वपूर्ण चुनावों के ऐन पहले अमेरिकी अखबार द्वारा किए गए उक्त खुलासे के पहले तक देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था संसद, न्यायपालिका, विपक्षी पार्टियां और नागरिक पूरी तरह से आश्वस्त थे कि न तो सरकार ने पेगासस उपकरणों की खरीदी की है और न ही उनके जरिए किसी तरह की जासूसी को अंजाम दिया गया। वह यकीन अब पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। ताजा खुलासे ने देश में लोकतंत्र को बनाए रखने और नागरिकों की निजी जिंदगी में उनकी अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करने को लेकर सरकार की मंशाओं को कठघरे में खड़ा कर दिया है। यह एक अलग मुद्दा है कि प्रधानमंत्री, सरकार और अंतरराष्ट्रीय जगत में देश की प्रतिष्ठा को लेकर अब किस तरह के सवाल पूछे जाएंगे और यह भी कि करोड़ों की संख्या में विदेशों में बसने वाले भारतीय मूल के नागरिकों के पास देने के लिए क्या जवाब होंगे। वर्तमान सूचना-प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जब पिछले साल संसद में भारत द्वारा पेगासस के इस्तेमाल किए जाने की खबरों को आधारहीन और सनसनीख़ेज़ बताते हुए ख़ारिज कर दिया था तब उनके कहे पर शक की गुंजाइश के साथ यकीन कर लिया गया था। पूछा जा रहा है कि अब सरकार उसी संसद और उन्हीं विपक्षी सवालों का किस तरह से सामना करने वाली है? क्या उसके इतना जवाब दे देने से ही विपक्ष और देश की जनता विश्वास कर लेगी कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूरे मामले की जांच करने के लिए गठित की गई समिति की रिपोर्ट मिलने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने के पहले प्रतीक्षा की जानी चाहिए।

तो क्या आजादी प्राप्ति के बाद के इस सबसे बड़े जासूसी कांड को लेकर सरकार और न्यायपालिका के बीच भी टकराव की आशंकाओं के लिए देश को तैयारी रखना चाहिए? ताजा घटनाक्रम के परिप्रेक्ष्य में क्या सरकार से यह नहीं पूछा जाना चाहिए कि विदेशी ताकतों के लिए जासूसी करने को

देशद्रोह का अपराध करार देने वाली व्यवस्था में अपने ही नागरिकों की जासूसी करने को अपराध की किस श्रेणी में रखा जा सकता है? ऐसे मामलों में नैतिकता का क्या तकाजा हो सकता है जिनमें विदेशी संसाधनों की मदद लेकर स्थापित लोकतंत्र की बुनियादों को कमजोर करने की नियोजित कोशिशें की जातीं हों? पेगासस का मामला जब पहली मर्तबा उठा था रविशंकर प्रसाद केंद्र में सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री थे। उन्होंने जासूसी के आरोपों का खंडन करने के बजाय यह कहते हुए सरकार का बचाव किया था कि जब दुनिया के पैंतालीस देश पेगासस का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसे लेकर हमारे यहां इतना बवाल क्यों मचा हुआ है । उनके इस तरह के जवाब के बाद टिप्पणी की गई थी कि किसी दिन कोई और मंत्री खड़े होकर यह नहीं पूछ ले कि अगर दुनिया के 167 देशों के बीच 'पूर्ण प्रजातंत्र' सिर्फ तेईस मुल्कों में ही जीवित है और सत्तावन में अधिनायकवादी व्यवस्थाएं हैं तो भारत को ही लेकर इतना बवाल क्यों मचाया जा रहा है ? ब्रिटेन के अग्रणी अख़बार 'द गार्डीयन' ने तब लिखा था कि जो दस देश कथित तौर पर पेगासस के जरिए जासूसी के कृत्य में शामिल हैं वहां अधिनायकवादी हुकूमतें काबिज हैं। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अपनी साल भर की खोजबीन के बाद मैक्सिको, सऊदी अरब सहित जिन तमाम देशों में हुकूमतों द्वारा पेगासस उपकरणों के जरिए सत्ता-विरोधियों की जासूसी करने का खुलासा किया है उसके प्रकाश में कल्पना की जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र को लेकर किस तरह की मान्यताएं दुनिया में स्थापित हो सकतीं हैं। पेगासस जासूसी उपकरणों के जरिए न सिर्फ पत्रकारों, विपक्षी नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, न्यायपालिका और चुनाव आयोग से सम्बद्ध हस्तियों को ही निशाने पर लिए जाने के आरोप हैं, सरकार के ही कुछ मंत्री, उनके परिवारजन ,घरेलू कर्मचारी और अफसरों का भी पीड़ितों की सूची में उल्लेख किया गया है। अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से उस सरकार द्वारा अपने ही उन नागरिकों की जासूसी करना जिसे कि उन्होंने पूरे विश्वास के साथ अपनी रक्षा की जिम्मेदारी सौंप रखी है एक खतरनाक किस्म का खौफ उत्पन्न करता है। खौफ यह कि जो नागरिक अभी सत्ता के शिखरों पर बैठे अपने नायकों की क्षण-क्षण बदलती मुद्राओं से सिर्फ सार्वजनिक क्षेत्र में ही भयभीत होते रहते हैं उन्हें अब सरकारों द्वारा गुप्त तकनीकी उपकरणों की मदद से अपने निजी जीवन की जासूसी का शिकार बनने के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। सवाल यह उठता है कि क्या जनता के दिए जाने धन से किसी भी सरकार द्वारा उसके ही खिलाफ जासूसी करने के हथियार ख़रीदे जा सकते हैं? ऐसी स्थितियां तभी बनती है जब या तो जनता अपने शासकों का विश्वास खो देती हैं या फिर शासकों का शक इस बात को लेकर बढ़ने लगता है कि एक बड़ी संख्या में लोग व्यवस्था के खिलाफ 'षड्यंत्र' कर रहे हैं और उसमें पार्टी-संगठन के असंतुष्ट भी चोरी-छुपे साथ दे रहे हैं।'न्यूयॉर्क टाइम्स' इस रहस्य का कभी खुलासा नहीं कर पाएगा कि संसद में पेश किए जाकर मंजूर होने वाले बजटों में जनता की जासूसी के लिए उपकरणों की ख़रीद के प्रावधान किन मदों से किए जाते होंगे।

यूक्रेन में रूसी और अमेरिकी हितों का टकराव

जी. पार्थसारथी

1991 में जब सोवियत संघ का विघटन हुआ तो मुख्य चिंता संघ के घटक रहे मध्य एशियाई इस्लामिक प्रजातांत्रिक देशों में बड़ी संख्या में बसे रूसियों के भविष्य को लेकर थी। सौभाग्य से यह मुद्दा अधिकांशत: राजनीतिक और शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया जा चुका है। हालांकि चेचन्या के मुस्लिम बहुल इलाके में होने वाली हिंसा और सशस्त्र विद्रोह से सख्ती से निपटा गया था, जब इस गुट ने कुछ इस्लामिक देशों की मदद से हथियारबंद बगावत कर दी थी। मुस्लिम बहुल एशियाई प्रजातांत्रिक मुल्क मसलन कजाखिस्तान, उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गीजस्तान और तुर्कमेनिस्तान की सोवियत संघ के अलग होने की प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न हुई थी। इससे आगे समूचे मध्य एशिया में ज्यादातर धर्म-सहिष्णु सरकारें बन पाईं।

इन मुल्कों का नेतृत्व उन हाथों में बना रहा जो सोवियत संघ बिखरने से पहले भी प्रभावशाली थे। उन्होंने अक्लमंदी दिखाते हुए रूस और अपने रूसी भाई-बंदों से अच्छे संबंध कायम रखे और ठीक इसी वक्त धार्मिक कट्टरवाद को त्यागे रखा। इसके बदले में उन्हें रूस से धार्मिक चरमपंथियों से पार पाने में तगड़ी सहायता मिली जिन्हें अफगान तालिबान सहित बाहरी ताकतों की मदद प्राप्त थी। इन मध्य एशियाई देशों में विशाल संख्या में बसे रूसी वहीं बने रहे। जबकि सोवियत संघ के तीन पूर्व सदस्य यानी एस्टोनिया, लातविया और लिथुएनिया के अलावा सोवियत-वारसा संधि के भागीदार मुल्क बुल्गारिया, रोमानिया और स्लोवाकिया अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैनिक गठबंधन में शामिल हो गए लेकिन रूस और इसके पश्चिमी पड़ोसी यूक्रेन के बीच थल और जलीय सीमा क्षेत्र को लेकर तनाव गहराता गया। इसके पीछे रूस और यूक्रेन के बीच प्रतिद्वंद्विता और मतभेद का इतिहास रहा है। वर्ष 2004 में यूक्रेन में अमेरिकी दखलअंदाजी के बाद और इजाफा हुआ जब अमेरिका की शह प्राप्त राजनीतिक नेतृत्व ने राजधानी कीव में रूस मित्र यूक्रेनी सरकार को सत्ताच्युत कर दिया। रूस ने इसे अमेरिकी हरकत को काला सागर और भूमध्य सागर के गर्म जलीय मार्गों तक उसकी पहुंच को नियंत्रित करने वाले यत्न की तरह लिया।

राष्ट्रपति पुतिन ने इस खतरे का पूर्वानुमान लगाते हुए फरवरी, 2014 में निर्णायक कार्रवाई कर क्रीमिया क्षेत्र पर नियंत्रण बना लिया। इस तरह काला सागर तक रूस की निर्बाध पहुंच बनाए रखी। क्रीमियाई प्रायद्वीप पर अपना शिकंजा कसने के बाद रूस ने अफगानिस्तान की सीमा से लगते मध्य एशियाई पूर्ववर्ती सोवियत घटक रहे मुस्लिम बहुल देश, जैसे उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गीस्तान और तुर्कमेनिस्तान में सुरक्षा की भावना भरने पर ध्यान केंद्रित कर दिया। इन जटिलताओं में पुतिन के नेतृत्व वाला रूस तालिबान के साथ रिश्ता बनाने में अग्रसर है। वहीं यूरेशिया क्षेत्र पर रूस की चीन के साथ समझ बनी हुई है लेकिन रूस को पता है कि सीमा संबंधी मुद्दे पर चीनी हरकतों पर निकट नजर रखने की जरूरत है।

अमेरिका की गलतफहमी की परवाह न करते हुए भारत ने साफ कर दिया है कि वह रूस के साथ अपना पुराना निकट संबंध कायम रखेगा। अमेरिका की इस धमकी के बावजूद कि जो कोई मुल्क रूस से हथियार खरीदेगा उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा, भारत ने रूस से महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण पाने की प्रक्रिया पर आगे बढ़ने का निर्णय लिया है, इसमें जमीन से हवा में मार करने वाली परिष्कृत एस-400 मिसाइल प्रणाली भी शामिल है। अधिक महत्वपूर्ण यह कि पुतिन सरकार ने रूस-भारत संयुक्त उपक्रम से विकसित की गई और सटीक निशाने में समर्थ ब्रह्मोस मिसाइलें फिलीपींस को देने के निर्णय पर टोकने की बजाय भारत के साथ अपना रक्षा सहयोग मजबूत बनाए रखा है। कोविड महामारी के चरम के बावजूद राष्ट्रपति पुतिन भारत की यात्रा पर आए थे, यह दर्शाता है कि रूस भारत के साथ रिश्ते को कितना महत्व देता है। रूस के विरुद्ध सार्वजनिक तौर पर अपने विचार जताने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने यूक्रेन सरकार तक हथियारों की खेप पहुंचाई है, जिसके रूस के साथ इलाकाई और अन्य गंभीर विवाद चल रहे हैं। हालांकि रूस के पास यूक्रेन पर चढ़ाई करने की कोई वजह नहीं है और न ही वह किसी बड़े सैन्य द्वंद्व में खुद को अकारण फंसाना चाहता है। अलबत्ता यूक्रेन के सीमावर्ती इलाके में जहां रूसी लोगों की खासी तादाद है, वहां राष्ट्रपति पुतिन सीमित सैन्य कार्रवाई करें, इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। जहां अमेरिका के अधिकांश यूरोपियन सहयोगी अमेरिकी रवैये का मोटे तौर पर समर्थन कर रहे हैं वहीं फ्रांस और जर्मनी को गंभीर अंदेशा है कि कहीं नाटो गठबंधन द्वारा की गई कार्रवाई बड़े सैन्य द्वंद्व में न तब्दील हो जाए। पश्चिमी यूरोप पर अपना प्रभाव बनाने की रूसी आकांक्षा में गैस की सप्लाई एक महत्वपूर्ण अंग है।

रूस अपने तेल और गैस भंडारों की बदौलत वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव आज भी कायम रखे हुए है, जो न केवल उसकी घरेलू जरूरतें पूरी करने में बल्कि नॉर्ड-स्ट्रीम पाइपलाइन के जरिए यूरोप भर में, खासकर जर्मनी की ऊर्जा आवश्यकता पूरी करता है। मौजूदा अमेरिकी नीतियां अब ज्यादातर रूस के यूक्रेन के साथ संबंध पर केंद्रित हैं जबकि चीन नए कानून के जरिए अपने तटीय प्रभाव को सक्रियता से मजबूत कर रहा है और पड़ोसी मुल्कों की समुद्री सीमा पर अपने बेजा दावे लागू करने में जोर-जबरदस्ती करने पर उतारू है। यह तनाव को बढ़ा सकता है।

समृद्धि, ऊर्जा, प्रकाश और आशावाद का प्रतीक है

बसंत का पीला रंग

इस बार बसंत पंचमी का त्यौहार 5 फरवरी को मनाया जाएगा। प्रति वर्ष यह पर्व माघ महीना के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। ऋतुराज बसंत का आगमन इसी दिन होता है। सो हिन्दू मतावलंबी इसे धूमधाम से मनाते हैं। बसंत पंचमी पर्व विशेष रूप से बुद्धि व विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती को समर्पित होता है। इस अवसर पर मां शारदे की विशेष आराधना की जाती है। इसके अलावा इस दिन कामदेव की भी आराधना का भी विधान है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माघ शुक्ल पंचमी को ज्ञान की देवी मां सरस्वती का अवतरण हुआ था। इसी के कारण इस दिन विधि-विधान से देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

वंसत पंचमी पर पीले रंग का महत्व

ग्रंथों के अनुसार वसंत पंचमी पर पीला रंग के उपयोग का महत्व है। क्योंकि इस पर्व के बाद शुरू होने वाली बसंत ऋतु में फसलें पकने लगती हैं और पीले फूल भी खिलने लगते हैं। इसलिए वसंत पंचमी पर्व पर पीले रंग के कपड़े और पीला भोजन करने का बहुत ही महत्व है। इस त्यौहार पर पीले रंग का महत्व इसलिए बताया गया है क्योंकि बसंत का पीला रंग समृद्धि, ऊर्जा, प्रकाश और आशावाद का प्रतीक है। इसलिए इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनते हैं, व्यंजन बनाते हैं।

सक्रिय होता है दिमाग

मान्यता है कि यह रंग डिप्रेशन दूर करने में कारगर है। यह उत्साह बढ़ाता है और दिमाग सक्रिय करता है। नतीजतन दिमाग में उठने वाली तरंगें खुशी का अहसास कराती हैं। यह आत्मविश्वास में भी वृद्धि करता है। हम पीले परिधान पहनते हैं तो सूर्य की किरणें प्रत्यक्ष रूप स दिमाग पर असर डालती हैं।

वसंत पंचमी पर पूजन विधि

माता शारदा के पूजन के लिए भी बसंत पंचमी का दिन विशेष शुभ रहता है। इस दिन 2 से 10 वर्ष की कन्याओं को पीले-मीठे चावलों का भोजन कराया जाता है तथा उनकी पूजा की जाती है। मां शारदा और कन्याओं का पूजन करने के बाद पीले रंग के वस्त्र और आभूषण कुमारी कन्याओं, निर्धनों व विप्रों को दिने से परिवार में ज्ञान, कला व सुख -शान्ति की वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त इस दिन पीले फूलों से शिवलिंग की पूजा करना भी विशेष शुभ माना जाता है।

सादगी और निर्मलता को दर्शाता है पीला रंग

हर रंग की अपनी खासियत है जो हमारे जीवन पर गहरा असर डालती है। हिन्दू धर्म में पीले रंग को शुभ माना गया है। पीला रंग शुद्ध और सात्विक प्रवृत्ति का प्रतीक माना जाता है। यह सादगी और निर्मलता को भी दर्शाता है। पीला रंग भारतीय परंपरा में शुभ का प्रतीक माना गया है।

आत्मा से जोड़ने वाला रंग

फेंगशुई ने भी इसे आत्मिक रंग अर्थात आत्मा या अध्यात्म से जोड़ने वाला रंग बताया है। फेंगशुई के सिद्धांत ऊर्जा पर आधारित हैं। पीला रंग सूर्य के प्रकाश का है यानी यह ऊष्मा शक्ति का प्रतीक है। पीला रंग हमें तारतम्यता, संतुलन, पूर्णता और एकाग्रता प्रदान करता है।

बसंत पंचमी की पौराणिक कथा

सृष्टि की रचना के समय ब्रह्माजी ने महसूस किया कि जीवों की सर्जन के बाद भी चारों ओर मौन छाया रहता है। उन्होंने विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से जल छिड़का, जिससे पृथ्वी पर एक अद्भुत शक्ति प्रकट हुई। छह भुजाओं वाली इस शक्ति रूप स्त्री के एक हाथ में पुस्तक, दूसरे में पुष्प, तीसरे और चौथे हाथ में कमंडल और बाकी के दो हाथों में वीणा और माला थी। ब्रह्माजी ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, चारों ओर ज्ञान और उत्सव का वातावरण फैल गया, वेदमंत्र गूंज उठे। ऋषियों की अंतः चेतना उन स्वरों को सुनकर झूम उठी। ज्ञान की जो लहरियां व्याप्त हुईं, उन्हें ऋषि चेतना ने संचित कर लिया। तब से इसी दिन को बसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

मां सरस्वती पूजा की विधि

मां सरस्वती पूजा करते समय सबसे पहले सरस्वती माता की प्रतिमा अथवा तस्वीर को सामने रखना चाहिए। इसके बाद कलश स्थापित करके गणेश जी तथा नवग्रह की विधिवत पूजा करनी चाहिए। इसके बाद माता सरस्वती की पूजा करें। सरस्वती माता की पूजा करते समय उन्हें सबसे पहले आचमन एवं स्नान कराएं। इसके बाद माता को फूल एवं माला चढ़ाएं। सरस्वती माता को सिंदूर एवं अन्य श्रृंगार की वस्तुएं भी अर्पित करनी चाहिए। बसंत पंचमी के दिन सरस्वती माता के चरणों पर गुलाल भी अर्पित किया जाता है। देवी सरस्वती श्वेत(सफेद) वस्त्र धारण करती हैं अतः उन्हें श्वेत वस्त्र पहनाएं। सरस्वती पूजन के अवसर पर माता सरस्वती को पीले रंग का फल चढ़ाएं। प्रसाद के रूप में मौसमी फलों के अलावा बूंदियां अर्पित करना चाहिए। इस दिन सरस्वती माता को मालपुए एवं खीर का भी भोग लगाया जाता है।

हंसना मना है

टीचर: तुमने होम वर्क क्यों नहीं किया।
पप्पू: मैं हॉस्टल में रहता हूं। टीचर: तो।
पप्पू: हॉस्टल में होम वर्क कैसे कर सकता हूं, हॉस्टल वर्क देना चाहिए था।

आज हेलमेट ने बाल-बाल बचा लिया। पड़ोसन को बैठाकर जा रहा था और सामने से मेरी घरवाली आ गई। शुक्रिया मोटर व्हीकल एक्ट।

घड़ी मैकेनिक ने गर्लफ्रेंड को पत्र लिखा: मैंने हमेशा तुम्हारा 7:00 दिया है, तुम भी मेरा 7:02 और हम 02:09 हमेशा 01:07 रहेंगे। इसलिए मुझे छोड़ने की गलती 02:12 न करना।

आज फिर पार्किंग में बाइक पोंछने का कपड़ा चोरी हो गया है या तो देश में भयंकर मंदी है या फिर जिसका था, वह ले गया है।

आने वाले समय में पत्नियां अपने पति से ऐसे लड़ेंगी-मेरी किस्मत ही खराब थी जो मैंने तुम्हारी फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट की।

कहानी

बुद्ध प्रतिमा को बनाया बंदी

एक व्यापारी कपड़े के 50 थान लेकर दूसरे नगर में बेचने जा रहा था। मार्ग में एक स्थान पर वह सुस्ताने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठ गया। वहीं पेड़ की छांव में भगवान बुद्ध की एक प्रतिमा भी लगी हुई थी। व्यापारी को बैठे-बैठे नींद लग गयी और वह वहीं सो गया। कुछ समय बाद जागने पर उसने पाया कि उसके थान चोरी हो गए थे। उसने पहले इधर-उधर देखा पर थान का कुछ पता नहीं चला। तब उसने फौरन पुलिस में जाकर रिपोर्ट लिखवाई। मामला ओ-ओका नामक न्यायाधीश की अदालत में गया। सारी बाते सुनने के बाद ओ-ओका ने निष्कर्ष निकाला, पेड़ की छांव में लगी बुद्ध की प्रतिमा ने ही चोरी की है। उसका कार्य वहां पर लोगों का ध्यान रखना है, लेकिन उसने अपने कर्तव्य-पालन में लापरवाही की है। इसलिए प्रतिमा को बंदी बना लिया जाए। पुलिस ने बुद्ध की प्रतिमा को बंदी बना लिया और उसे अदालत में ले आए। पीछे-पीछे उत्सुक लोगों की भीड़ भी अदालत में आ पंहुची। सभी जानना चाहते थे कि न्यायाधीश कैसा निर्णय सुनायेंगे। यह तो एक मूर्ति है। कुछ लोग हंस भी रहे थे और मजाक भी उड़ा रहे थे। जब ओ-ओका अपनी कुर्सी पर आकर बैठे तब अदालत परिसर में कोलाहल हो रहा था। ओ-ओका नाराज हो गए और बोले कि इस प्रकार अदालत में हंसना और शोरगुल करना अदालत का अनादर है। सभी को इसके लिए दंड दिया जाएगा। लोग माफी मांगने लगे। ओ-ओका ने कहा, मैं आप सभी पर जुर्माना लगाता हूं, लेकिन यह जुर्माना वापस कर दिया जाएगा यदि यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति कल अपने घर से कपड़े का एक थान ले कर आए। जो व्यक्ति कपड़े का थान लेकर नहीं आएगा उसे जेल भेज दिया जाएगा। अगले दिन सभी लोग कपड़े का एक-एक थान ले आए। उनमें से एक थान व्यापारी ने पहचान लिया और इस प्रकार चोर पकड़ा गया। लोगों को उनके थान लौटा दिए गए और बुद्ध की प्रतिमा को रिहा कर दिया गया।

10 अंतर खोजें

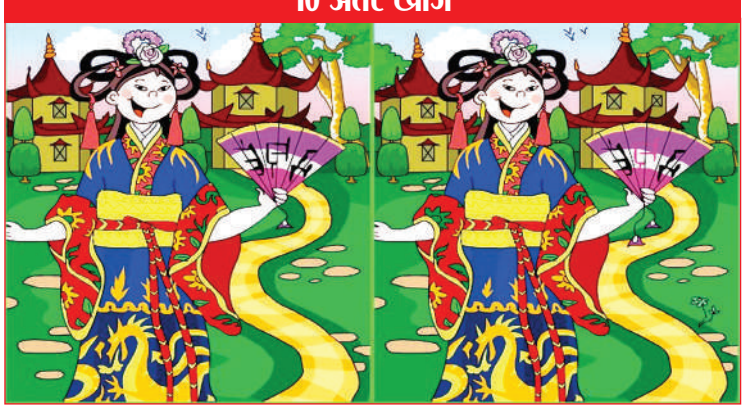

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष किसी धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में रुकावट दूर होगी।

वृषभ विवाह के उम्मीदवारों को वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कर्क कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। दूसरे के कार्य में हस्तक्षेप न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या किसी दुष्ट प्रवृत्ति के व्यक्ति का साथ हानिप्रद रहेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नए संपर्क बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

तुला किसी भूले-बिसरे शत्रु से हानि की आशंका है। पिछले समय किए गए प्रयासों का लाभ मिलने का प्रारंभ होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त होगी।

वृश्चिक शारीरिक कष्ट की आशंका है। किसी अपने ही व्यक्ति से विवाद हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। भागदौड़ रहेगी। धैर्य रखें।

धनु धन प्राप्ति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेगा। किसी लंबी यात्रा की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर किसी से कहासुनी हो सकती है। स्थायी संपत्ति की वृद्धि के योग हैं। किसी भी तरह के कागजात ध्यान से पढ़कर निर्णय लें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ किसी आशंका से ग्रसित रह सकते हैं। कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों के कार्य मनमाफिक चलेंगे। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

मीन कोई पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक हानि की आशंका है। किसी भी तरह के विवाद से दूर रहें।

बॉलीवुड | मन की बात

मां बनने की खुशी से फूली नहीं समा रहीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों मां बनने को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने पति निक जोनस के साथ मिलकर फैंस को बताया था कि दोनों सरोगेसी के जरिए माता-पिता बन गए हैं। इस खुशखबरी को सुनाने के बाद कपल के करीबी दोस्तों और फैंस ने उन्हें जमकर बधाइयां दी थीं। मां बनने के बाद प्रियंका खुशी से फूली नहीं समा रही हैं। अब उन्होंने बेबी अनाउंसमेंट के बाद पहला पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया कि वह कैसा महसूस कर रही हैं। उन्होंने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि रोशनी अच्छी लगती है। पहली फोटो में प्रियंका के चेहरे पर ग्लो साफ नजर आ रहा है। वहीं दूसरी तस्वीर में वह सनग्लासेस पहनकर पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी इन फोटोज को जमकर लाइक और शेयर किया जा रहा है। प्रियंका ने अपनी इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है जिसे फैंस बहुत पसंद कर रहे है। एक यूजर ने लिखा ग्लो दूसरे ने कमेंट किया, हेलो मॉमी। इसके अलावा यूजर्स ब्यूटीफुल और गॉजर्स कमेंट कर प्रियंका की खूब तारीफ कर रहे है। उनकी इन फोटोज को अभी तक 13 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। प्रियंका ने हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी मां बनने की खबर फैंस को दी थी। उन्होंने लिखा कि आप लोगों ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने सरोगेसी के जरिए बच्चे का स्वागत किया है। हम इस विशेष समय में आपसे सम्मानपूर्वक प्राइवेसी की अपील करते हैं क्योंकि हम अपने परिवार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... बहुत-बहुत धन्यवाद।

गंगूबाई काठियावाड़ी से अजय देवगन का फर्स्ट लुक रिलीज, बोले

आ रहे हैं

गंगूबाई काठियावाड़ी से अजय देवगन का फर्स्ट लुक रिलीज हुआ है। सिर पर टोपी, व्हाइट पैंट-शर्ट और हल्के रंग का ब्लेजर पहने नजर आए अजय देवगन का लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है। पोस्टर में अजय देवगन सलाम करते दिखाई दे रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर 4 फरवरी को रिलीज होने के लिए तैयार है। फैन्स इस फिल्म की रिलीज को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। अजय देवगन इस बार गंगूबाई काठियावाड़ी में अलग रोल में नजर आने वाले हैं। हाल ही में संजय लीला भंसाली प्रोडक्शन ने फिल्म से महिला डॉन बनी आलिया भट्ट का लुक रिलीज किया था, और अब अजय देवगन का यह लुक देख फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। कई बार फिल्म टलने के बाद अब मेकर्स ने फिल्म को रिलीज करने का पूरी तरह मन बना लिया है। प्रोडक्शन हाउस द्वारा बताया गया कि फिल्म का ट्रेलर 4 फरवरी को रिलीज कर दिया जाएगा। वहीं फैंस को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, फिल्म 25 फरवरी को रिलीज कर दी जाएगी। वहीं फिल्म में अजय देवगन एक गुंडे की भूमिका निभाने वाले हैं, जिन्हें अंत में गंगूबाई से प्यार हो जाता है। जब गंगूबाई उन्हें ट्रेड करना सिखाती हैं। क्राइम ड्रामा में गंगूबाई को एक सेक्स वर्कर के रूप में दिखाया गया है जो बाद में मुंबई में एक अंडरवर्ल्ड डॉन के रूप में उभरती है।

पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन ने रजनीकांत को पछाड़ा

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के करियर में फिल्म पुष्पा ने चार चांद लगा दिए हैं। पुष्पा की वजह से अल्लू अर्जुन पैन इंडिया स्टार बने हैं। एक्टर की फैन फॉलोइंग में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। ट्विटर पर एक्टर के फॉलोअर्स की तादाद बढ़कर 6.5 मिलियन हो गई है। उन्होंने साउथ के सुपरस्टार्स रजनीकांत और चिरंजीवी को पछाड़ दिया है। अल्लू अर्जुन के ट्विटर पर थलाइवा रजनीकांत और चिरंजीवी से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। रजनीकांत के 6.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं और

चिरंजीवी के 1.2 मिलियन ट्विटर फॉलोअर्स हैं। ये सब पुष्पा की ही देन है, जिसने अल्लू अर्जुन को देश का पसंदीदा स्टार बना दिया है। इसमें सबसे खास बात ये है कि अल्लू अर्जुन ट्विटर पर खासे एक्टिव भी नहीं हैं। उनकी आखिरी पोस्ट 29 जनवरी की है। वे कम ही पोस्ट ट्वीट करते हैं। मूवी प्रमोशन हो या किसी को बर्थडे विश करना, उन मौकों पर ही अल्लू ट्विटर पर ज्यादा एक्टिव दिखे हैं। उससे भी मजेदार बात ये है कि अल्लू अर्जुन ट्विटर पर किसी को फॉलो नहीं करते। अरे हैरान मत होइए, ये सच है। पावर स्टार अल्लू अर्जुन ट्विटर पर सेलेब्स, फैमिली मेंबर्स किसी को फॉलो नहीं करते हैं।

अजब-गजब | 3 सेंटीमीटर के जीव को लेकर टेंशन में हैं दुनिया के वैज्ञानिक

ये दुनिया को कर देगा तबाह

पूरी दुनिया में कोरोना महामारी का कहर जारी है। जिस वजह से अब तक 50 लाख से ज्यादा लोगों की जान चुकी है। माना जा रहा है कि ये वायरस किसी जंगली जीव से इंसानों में फैला है। अब एक और जीव को लेकर चेतावनी जारी की गई है, जिसका नाम फ्लैटवर्म है। आशंका है कि ये छोटा सा जीव दुनिया में तबाही मचा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कीड़ों की दो नई प्रजातियों का पता चला है, जो अभी जंगलों और बगीचों में पाए जा रहे हैं। अगर इसका जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो ये इंसानों के घरों और किचन में पहुंच सकते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक फ्लैटवर्म की लंबाई तो सिर्फ 3 सेंटीमीटर होती है, लेकिन ये करीब 3 फीट तक बढ़ सकते हैं। इसके प्रजनन की भी रफ्तार काफी तेज है। जब वैज्ञानिकों को इन कीड़ों के बारे में पता चला तो उसके कुछ दिनों के अंदर वो दुनिया के तीन अन्य देशों में पहुंच गए थे। The Sun की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लैटवर्म ब्रिटेन के बगीजों में मिले हैं, लेकिन फ्रांस, इटली और अफ्रीका में भी इसे देखा गया है। सबसे चिंताजनक बात ये है कि दुनिया में बड़े पैमाने

पर पौधों का निर्यात होता है। ऐसे में ये आसानी से कई देशों में फैल सकते हैं। अभी तक इसकी 10 प्रजातियां एशिया से दुनियाभर में फैली हैं। इसका जरिए सिर्फ पौधों का आयात-निर्यात है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस जीव से ब्रिटिश बागानों की प्राकृतिक जैव विविधता को खतरा हो सकता है। साथ ही ये ग्रामीण इलाकों में फसल की पैदावार को भी नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा पेरिस के राष्ट्रीय इतिहास संग्रहालय के विशेषज्ञों ने लॉकडाउन के दौरान ताजा आंकड़ों को देखकर नई किस्मों को लेकर आगाह किया है। मामले में प्रोफेसर जीन लू जस्टिन ने कहा कि इन प्रजातियों में आक्रामक बनने और पूरी दुनिया में फैलने की क्षमता है।

वहीं नमूने एकत्र करने वाले एनरिको रूजियर के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की वजह से गर्मी बढ़ती जा रही है। जैसे-जैसे धरती गर्म हो रही, वैसे-वैसे हजारों फ्लैटवर्म बाहर आ रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में ये समस्या ज्यादा बढ़ सकती है। फिलहाल वैज्ञानिक इस समस्या का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

10 साल की अरबपति बच्ची ने लगवाए लाखों के नकली नाखून

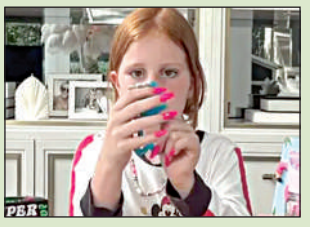

अमीर होना हर किसी का सपना होता है। इंसान के पास सुख-सुविधा की सारी चीजों हो, यही हर कोई चाहता है। इसमें इंसान की उम्र निकल जाती है। अगर कम उम्र में रईस बनना है, तो अमीर पेरेंट्स का होना जरुरी है या फिर इंसान की किस्मत पिक्सी कर्टिस जैसी होनी चाहिएहै। जी हां, 10 साल की पिक्सी इतनी अमीर है कि वो 15 साल की उम्र में रिटायरमेंट प्लान कर रही हैं। अब सोशल मीडिया पर इस अरबपति बच्ची की लाइफस्टाइल शेयर की गई है। इसे देखने के बाद आप भी हैरान हो जाएंगे। 10 साल की पिक्सी अपने छोटे भाई और मम्मी-पापा के साथ सिडनी के एक आलीशान घर में रहती है। बीते दिनों उसकी मां ने खुलासा किया था कि उसकी बेटी इतनी अमीर है कि 15 साल की उम्र में रिटायर हो सकती है। पिक्सी मात्र 10 की उम्र में दो कंपनियों की मालकिन है। जब वो एलिमेंट्री स्कूल में थी, उसी समय खिलौने की कंपनी खोली थी। इसी से पिक्सी काफी प्रॉफिट कमा रही है। पिक्सी की मां रॉक्सी जासनको ने अपनी बेटी की कंपनी के खिलौनों की सेल में काफी अहम भूमिका निभाई। इस खिलौने की कंपनी के अलावा पिक्सी की मां ने एक और बिजनेस शुरू किया था जब वो एक बच्ची थी। पिक्सी बोस नाम की ये कंपनी भी चल पड़ी। अब बात करते हैं इन दो कंपनियों के मालकिन की। पिक्सी की कमाई को उसकी मां संभालती है। रॉक्सी ने बताया कि पिक्सी की गाड़ियों की कीमत ही दो करोड़ है। इसमें एक मर्सिडीज बेंज भी शामिल है। रॉक्सी ने आगे बताया कि पिक्सी की कार में एक्स्ट्रा सेफ्टी फीचर भी है। पिक्सी की मां ने बताया कि इस कार से पिक्सी अपने भाई के साथ स्कूल जाती है। कार ड्राइवर चलाता है। पिक्सी सोशल मीडिया पर भी अपनी लाइफ की झलक दिखाती रहती है। हाल ही में उसने इंस्टाग्राम पर अपने हाई हील्स की शॉपिंग की तस्वीरें और अपने फैंसी नेल एक्सटेंशन की फोटो शेयर की थी, लेकिन लोगों को ये खास पसंद नहीं आई।

सड़क हादसों में तीन की मौत परिजनों ने किया हंगामा

» तीन अन्य घायल, अस्पताल में कराया गया भर्ती, चलाक फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेरठ और फिरोजाबाद में हुए दो सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मेरठ में युवक की मौत पर उग्र परिजनों ने शव को सड़क पर रख जाम लगा दिया और हंगामा किया। वहीं फिरोजाबाद के टूंडला क्षेत्र में हाईवे पर आगरा जा रही वैन को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर से वैन गड्ढे में पलट गई। हादसे में वैन सवार पांच लोग घायल हो गए। हादसे में चालक सहित दो की मौत हो गई है।

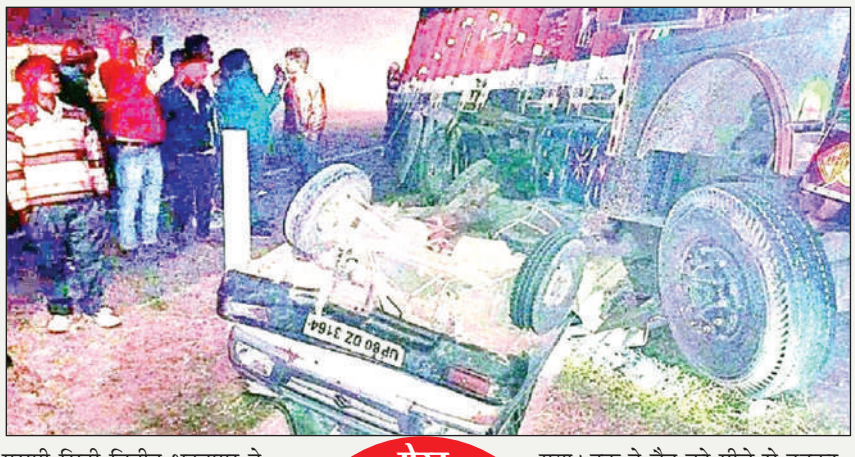

मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के छिलौरा गांव निवासी रविश कुमार परतापुर स्थित फैक्टरी में नौकरी करता था। वह काम खत्म कर साइकिल से घर जा रहा था। जैसे ही वह सिविल लाइन क्षेत्र में किला रोड पर यादगारपुर पुलिस चौकी के पास पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसको नजदीक के सर्वोदय नर्सिंग होम में भर्ती कराया। आरोप है कि चिकित्सकों की लापरवाही के चलते मौत हो गई। परिवार के लोगों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। कुछ लोगों ने वहां से गुजर रहे वाहनों में तोड़फोड़ की कोशिश की। सूचना पर पहुंचे इंस्पेक्टर सिविल लाइन ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मेरठ में युवक का शव रखकर लगाया जाम, फिरोजाबाद में ट्रक ने वैन को मारी टक्कर

एसपी सिटी विनीत भटनागर ने बताया कि मामले में कार्रवाई की जा रही है। चालक का पता लगाया जा रहा है। वहीं चिकित्सकों ने कहा कि युवक को परिजन मृत अवस्था में ही लाए थे। लापरवाही का आरोप गलत है। वहीं आगरा के ताजगंज निवासी बबलू, सनी, रफीक खान, रिहान, अमन वैन से फिरोजाबाद आए थे। वे रात में वापस आगरा जा रहे थे। उनके साथ सिमरन पुत्री अरबाज खान निवासी नजीर गंज थाना रसूलपुर, फिरोजाबाद भी थी। जैसे ही वैन टोल प्लाजा के समीप पहुंची पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक का टायर फटने से वह अनियंत्रित हो गया। ट्रक ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन खाई में पलट गई। हादसे में वैन चालक और उसमें सवार सभी लोग गंभीर घायल हो गए। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को फिरोजाबाद ट्रॉमा सेंटर भेजा। अस्पताल में चालक जयराज चौहान निवासी लोहामंडी, आगरा व रफीक खान की उपचार के दौरान मौत हो गई। अन्य लोगों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। थाना प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया कि हादसे में सभी घायलों को उपचार के लिए भेजा है। ट्रक को कब्जे में ले लिया है तथा चालक की तलाश की जा रही है।

यूपी : एक दिन में पांच हजार से अधिक संक्रमित, 23 की मौत

» अब तक 20.34 लाख लोग कोरोना से हो चुके हैं संक्रमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 5316 नए रोगी मिले जबकि 23 लोगों की मौत हुई है। वहीं 5541 मरीज स्वस्थ हुए हैं। अब सक्रिय केस घटकर 41471 रह गए हैं। वहीं प्रदेश ने गुरुवार को कोरोना टेस्ट के मामले में नया रिकार्ड बनाया। यूपी 10 करोड़ लोगों की कोरोना जांच करने वाला पहला राज्य बन गया है। प्रदेश कोरोना टेस्ट के मामले में शुरुआत से ही सबसे आगे चल रहा है। अब यहां हर दिन दो लाख से ज्यादा टेस्ट किए जा रहे हैं। वहीं देश में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र में साढ़े आठ करोड़ से ज्यादा टेस्ट किए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि अब संक्रमण दर 2.7 प्रतिशत है और रिकवरी रेट 96.8 प्रतिशत है। अब तक प्रदेश में कुल 20.34 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और इसमें से 19.69 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना से अभी तक कुल 23277 मरीजों की मौत हुई है। इस समय सबसे ज्यादा कुल 7603 रोगी लखनऊ में हैं। दूसरे नंबर पर गौतम बुद्ध नगर में 2349 और तीसरे नंबर पर झांसी में 2191 मरीज हैं। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों में से 23 और रोगियों की मौत हुई है। संक्रमण से सबसे ज्यादा पांच मरीजों की मौत लखनऊ में हुई है। चंदौली, पीलीभीत और मेरठ में दो-दो व गौतमबुद्ध नगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, बाराबंकी, आजमगढ़, देवरिया, गाजीपुर, मथुरा, संत कबीर नगर व मुरादाबाद में एक-एक रोगी की कोरोना से मौत हुई है। वहीं प्रदेश ने गुरुवार को कोरोना टेस्ट के मामले में नया रिकार्ड बनाया।

डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश को किया बर्बाद : गोप

» पूर्व कैबिनेट मंत्री ने बाराबंकी के गांवों में किया जनसंपर्क, सपा को वोट देने की अपील

» सपा सरकार बनी तो युवाओं को नौकरी और किसानों को मिलेगा सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा के पूर्व प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार सिंह गोप ने गुरुवार को बाराबंकी के विधान सभा क्षेत्र 270 दरियाबाद में घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी के लिए वोट मांगे।

उन्होंने कहा कि सपा दरियाबाद को विकास के शिखर पर ले जाना चाहती है। जो हाल इस विधान सभा क्षेत्र का पांच साल में डबल इंजन की सरकार में किया गया है वह किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश को भाजपा की डबल इंजन सरकार ने बर्बाद कर दिया। भ्रष्टाचार, आम जनमानस का उत्पीड़न, फर्जी मुकदमें, तमाम जन विरोधी कार्य हुए हैं। उससे छुटकारा पाने के लिए सपा के उम्मीदवार अरविंद सिंह गोप को विजयी बनाएं। आने वाला समय समाजवादियों का है। युवाओं को नौकरी, किसानों को सम्मान, महिलाओं को समाजवादी पेंशन व लोहिया आवास, 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। छात्राओं को कन्या विद्या धन, छात्रों को लैपटाप वितरित किया जाएगा। सपा सरकार बनेगी तो प्रदेश में खुशहाली और अमन चैन कायम होगा। उन्होंने टिकवा मऊ, बेलखरा, कुढ़ा डालमऊ, सुखीपुर, खभौली, चिररा, खजुरी, आल्हनमऊ, गोलचप्पा, बाराहुंवा आदि दर्जनों गांवों में जनसंपर्क किया। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन मतीन अहमद, तारिक किदवई, अमीरुल्ला राइन, मो शादान मिर्जा, तौसीफ भाई, अली हुसैन, मुगीस, सिराज, कारी मोहम्मद उल्लाह, नूर आलम, शराफत अली प्रधान, जमशेद जम्मू, तफसीर, अब्दुर रहमान, मीर साहब, हशमत अली, शादाब, तौफीक, खालिद, अयाज, विवेक यादव, सईद पूर्व प्रधान आदि मौजूद रहे।

तो सीएम योगी को सता रहा हार का डर!

» विपक्ष के खिलाफ कर रहे अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में सियासी बयानबाजियों का दौर तीखा होता जा रहा है। सपा ने सीएम योगी आदित्यनाथ की अमर्यादित भाषा की शिकायत चुनाव आयोग से की है। सवाल यह है कि क्या सीएम योगी को हार का डर सता रहा है इसीलिए वे अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, श्वेता आर रश्मि, डा. लक्ष्मण यादव, आप प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी, प्रो. रविकान्त, सपा नेता आशुतोष वर्मा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ लंबी परिचर्चा में।

अशोक वानखेड़े ने कहा जिस आदमी की फितरत ही सही नहीं, उसे क्या कहा जाए। योगी खुद किसी गुंडे से कम नहीं। आशुतोष वर्मा ने कहा अखिलेश के दांव ने बीजेपी को तोड़ दिया, इससे योगी बौखलाए हुए हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

प्रो. रविकान्त ने कहा चुनाव आयोग इस समय क्या भाषणों को नहीं देख रहा है। आयोग खोमाश हैं तो कहीं न कहीं चिंता का विषय है। श्वेता आर रश्मि ने कहा जनता सवाल पूछ रही है बेरोजगारों के लिए नौकरी कहां है। पांच साल में नौजवानों को रोजगार नहीं दे पाए। वैभव माहेश्वरी ने कहा पांच साल में कुछ भी काम नहीं किया। मुख्यमंत्री अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, ये बेहद शर्मनाक है। कोई दंगा फैलाएगा तो पोस्टर लगा दूंगा और खुद ऐसी हरकतें कर रहे हैं, इस पर जनता जवाब देगी।

डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा बोया पेड़ बबूल का आम कहां से होए यह कहावत बीजेपी के लिए सटीक बैठती है।

मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने सीएम चन्नी के भांजे हनी को किया गिरफ्तार

» अवैध खनन मामले में हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोहाली। मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गुरुवार देर रात पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भांजे भूपिंदर सिंह हनी को गिरफ्तार कर लिया है। हनी को मोहाली की अदालत में पेश किया जाएगा। वर्ष 2018 में दर्ज हुए अवैध खनन के मामले में 18 जनवरी को भूपिंदर सिंह हनी के मोहाली, लुधियाना व पठानकोट स्थित ठिकानों पर छापे मारे गए थे।

ईडी को भूपिंदर के ठिकाने से 7.9 करोड़, भूपिंदर के साथी संदीप के ठिकाने से 2 करोड़, 21 लाख कीमत के सोने के गहने तथा 12 लाख की रोलेक्स घड़ी बरामद की थी। ईडी ने जालंधर स्थित कार्यलय में गुरुवार को भूपिंदर सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया। करीब 9 घंटे तक हुई पूछताछ के बाद रात दो बजे भूपिंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

पंजाब में सीएम चेहरे का ऐलान करेगी कांग्रेस

» छह फरवरी को पार्टी करेगी नाम का खुलासा

» चन्नी बोले, ऐलान किसी का भी हो, हम राहुल के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। छह फरवरी को पंजाब में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान हो जाएगा। सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने यह जानकारी श्री चमकौर साहिब में दी। उन्होंने कहा कि घोषणा के दौरान वह राहुल गांधी के साथ मौजूद रहेंगे। कांग्रेस ने पहले पंजाब में बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ने का ऐलान किया था।

सिद्धू का नाम स्टार प्रचारकों की सूची से गायब

कांग्रेस ने उत्तराखंड विधान सभा चुनाव के लिए 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पार्टी का प्रचार करने उत्तराखंड जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में कांग्रेस आलाकमान ने पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी को तो शामिल किया है लेकिन पंजाब में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू का नाम सूची से गायब है।

पार्टी नेताओं की मांग के बाद जालंधर में राहुल गांधी ने एक वर्चुअल रैली में सीएम चेहरा जल्द घोषित करने का ऐलान किया था। सीएम चन्नी ने कहा कि छह फरवरी को राहुल गांधी ऐलान करेंगे। वह जिस किसी का भी ऐलान करेंगे, हम उसके साथ हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को ही पता है कि सीएम चेहरा कौन है। उधर, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सीएम चन्नी को सीएम चेहरा घोषित करने की मांग की है। हालांकि उन्होंने कहा कि हाईकमान जो भी फैसला करेगा, वह सभी लोगों को मान्य होगा।

2022 नहीं, 24 की भी लड़ाई लड़ रही प्रियंका

» कांग्रेस प्रत्याशी पंखुडी पाठक के पक्ष में जनता से मांगा वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रियंका गांधी अब डोर टू डोर जनसंपर्क कर रही हैं। वे नोएडा से कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के पक्ष में लोगों से मिलकर उन्हें वोट देने की अपील कर रही हैं। प्रियंका ने अनूपशहर, सिकंदराबाद और स्याना में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए डोर-टू-डोर जनसंपर्क किया। उन्होंने इसे लोगों को समझने और जनता से सीधा संपर्क स्थापित करने का माध्यम बना लिया है।

आने वाले दिनों में वे पूरे उत्तर प्रदेश में इसी तरह से सीधा संपर्क अभियान जारी रखेंगी। यह उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उत्तराखंड, पंजाब और अन्य राज्यों तक जाएगा। लोगों के साथ डोर-टू-डोर जनसंपर्क कार्यक्रम में वे युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों से मिल रही हैं। भारी भीड़ में भी महिलाएं उनसे हाथ मिलाने, उनकी एक झलक पाने को उत्सुक दिखाई पड़ रही हैं। प्रियंका भी महिलाओं को निराश नहीं करतीं और उनके घरों में जाकर उनसे सीधी बातचीत करती हैं। उनके साथ सेल्फी लेने में जरा भी देर नहीं लगातीं। वे उन्हें बताती हैं कि किस तरह वे महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं और उन्हें यह अवसर अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि प्रियंका गांधी का यह खुला स्वभाव लोगों के दिलों में गहरी जगह बना रहा है। प्रियंका गांधी की मुस्कान और हंसमुख चेहरा लोगों को अपने साथ जोड़ रहा है। वे तमाम सुरक्षा तामझाम को किनारे रख कर सीधे लोगों के बीच चली जा रही हैं। इससे लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी के विशेष सलाहकार आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बताया कि वे एक लंबी लड़ाई के लिए जमीन पर उतरी हैं। यह अभियान केवल 2022 तक के उत्तर प्रदेश चुनाव तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके आगे 2024 के लोकसभा चुनाव तक भी जाएगा। इसे केवल यूपी तक ही सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि देश के सभी राज्यों से प्रियंका गांधी की मांग आ रही है, और वे सभी राज्यों में जाकर लोगों से संपर्क स्थापित करेंगी। उनकी यह लड़ाई सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिए है और इसके होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

आठ फरवरी को मथुरा आएंगी प्रियंका गांधी

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी मथुरा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी प्रदीप माथुर के पक्ष में वोट मांगने के लिए आठ फरवरी को मथुरा आएंगी। वह सबसे पहले यमुना नदी के प्राचीन घाट पर पूजा-अर्चना करेंगी। इसके बाद वह चुनाव प्रचार करेंगी। मथुरा सीट से पूर्व विधानमंडल दल के नेता प्रतिपक्ष पूर्व विधायक प्रदीप माथुर चुनाव लड़ रहे हैं। उनके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए आठ फरवरी को प्रियंका गांधी आएंगी। वह पहले यमुना पूजन किया जाएगा। इसके बाद द्वारिकाधीश मंदिर पहुंचकर दर्शन करेंगी। यहां से वह पैदल वोट मांगती हुए हेलीगेट तक आएंगी। होटल इयूक पैलेस जाएंगी, जहां पर चुनाव आयोग के निर्देश के अनुरूप सभा को संबोधित किया जाएगा।

जांच समिति करेगी ओवैसी पर फायरिंग प्रकरण की जांच : प्रशांत कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएल) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की कार के काफिले पर हापुड़ में हमले के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने पांच सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह समिति जांच करने के बाद रिपोर्ट शासन को देगी। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह दोनों ही ओवैसी के बयानों से काफी आहत हैं। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि आईजी मेरठ खुद इस मामले की निगरानी कर रहे हैं। मेरठ रेंज के आइजी प्रवीण कुमार के साथ तेज तर्रार अफसरों की टीम भी मामले की तह तक जाने के लिए लगाई गई है।

पंजाब की तर्ज पर हरीश रावत ने उत्तराखंड में खेला दलित कार्ड, भाजपा में खलबली

» यशपाल में उत्तराखंड को संभालने की क्षमता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। बीते साल पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उत्तराखंड में भी किसी दलित को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर अपनी राय रखकर दलित कार्ड खेला था। आज फिर हरदा ने तीनपानी में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए हरीश रावत ने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य में उत्तराखंड को संभालने की क्षमता है, जिसके बाद से भाजपा में खलबली मच गई है।

हरीश रावत ने चुनावी सभा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के बाद राज्य में चीजों को थोड़ा बहुत हमने संभालने की कोशिश की है। अब आगे के लिए यदि हम देखते हैं तो हमें केवल यशपाल आर्या ही नजर आते हैं। कौन कहां पैदा हुआ है। इसका कोई महत्व नहीं है। महत्व इस बात का है कि व्यक्ति में कितनी क्षमता है। कल के उत्तराखंड को व आज के इस कुमाऊं संभाग को संभालने की क्षमता और ताकत है। उनकी इस बात को लेकर एक बार फिर राजनीति गर्मा गई है। सूत्र बताते हैं कि पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व सीएम हरीश रावत ने उत्तराखंड में भी दलित सीएम बनाने को लेकर अपनी राय रखी है, जिससे कांग्रेस के अंदर और भाजपा में भी बैचेनी बढ़ गई थी। बता दें कि उत्तराखंड में करीब 20 प्रतिशत दलित वोट बैंक हैं। जिसका असर मैदानी सीटों पर ज्यादा है। दलित वोटर का उत्तराखंड की 20 से ज्यादा सीटों पर प्रभाव है।

केशव मौर्य की डिग्री के मामले में सुनवाई 28 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को लेकर दाखिल अर्जी पर सुनवाई 28 फरवरी को करेगा। याची अधिवक्ता के आग्रह पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। दिवाकर नाथ त्रिपाठी की याचिका पर न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता की एकल पीठ सुनवाई कर रही थी। अर्जी में एसीजेएम प्रयागराज के चार सितंबर 2021 को पारित आदेश को चुनौती दी गई है। बता दें कि प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ रहे है। सिराथू सीट से नामांकन भी किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिराथू सीट से केशव मौर्य की जीत पक्की है, फिलहाल यहां उन्हें कोई हराने वाला अभी मैदान में नहीं है।

कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ ने बिना परमिशन किया रोड शो

» आदर्श आचार संहिता की धज्जियां भी उड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। शहर पश्चिमी सीट से भाजपा प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने खुलेआम आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई। यही नहीं बिना परमिशन के रोड शो निकालकर नामांकन भी किया। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने धूमानगंज स्थित चुनाव कार्यालय से निकलकर नामांकन जुलूस निकाला। पूरे सरकारी प्रोटोकॉल के साथ काफिले में सबसे आगे पुलिस की स्कॉट सायरन बजाती गाड़ी से सिद्धार्थ नाथ सिंह नामंकन के लिए निकले, मानो जैसे विजयी होकर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया हो।

जगह-जगह पर उनके स्वागत के लिए बकायदा मंच लगाया गया था, रोड पर भाजपा कार्यकर्ता हाथों में झंडा व माला-फूल लेकर सिद्धार्थ नाथ सिंह का स्वागत कर रहे थ । पुलिस और निर्वाचन अधिकारी सिर्फ देखते हुए नजर आए जब इस मामले पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री से बात की तो उन्होंने बताया की रोड शो की कोई भी परमिशन नहीं है अगर सिद्धार्थ नाथ सिंह ने रोड शो निकाला है तो हर चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं उसकी फोटो वीडियो निकालकर सिद्धार्थ नाथ सिंह के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत सरकार को देना होगा मुआवजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में 2004 में हुए भूमि अधिग्रहण मामले में पूर्व में दिए गए अपने फैसले को सही ठहराया है। कोर्ट ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत मुआवजे की रकम का भुगतान का आदेश देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से दाखिल पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया।

यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने दो याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। मामले में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने गाजियाबाद में 2004 में भूमि अधिग्रहण किया था लेकिन याची को मुआवजा नहीं मिल सका। प्राधिकरण ने 2014 में अवार्ड घोषित किया। तब याची की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत मुआवजा देने की मांग की। कोर्ट ने 2017 में विपक्षी पक्ष के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट में चंदन शर्मा ने बहस की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।